# जैन ध्वज गीत

मंगलमय मंगलकारी जिन-शासन ध्वज लहराता।

अनेकान्तमय वस्तु व्यवस्था, का यह बोध कराता।
स्यादवाद शैली से जग का, संशय तिमिर मिटाता।

चहुँगति दुःख नशाता, जन-गण-मन हरषाता।।
जिन शासन सुखदाता

सम्यक् दर्शन-ज्ञान-चरणमय मुक्ति मार्ग दरशाता।
जय हे....जय हे....जय हे....जय जय जय जय हे।।
शासन ध्वज लहराता।।